KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 5

कांग्रेस प्रणाली चुनौतियाँ और पुर्नस्थापना

भाग - 1

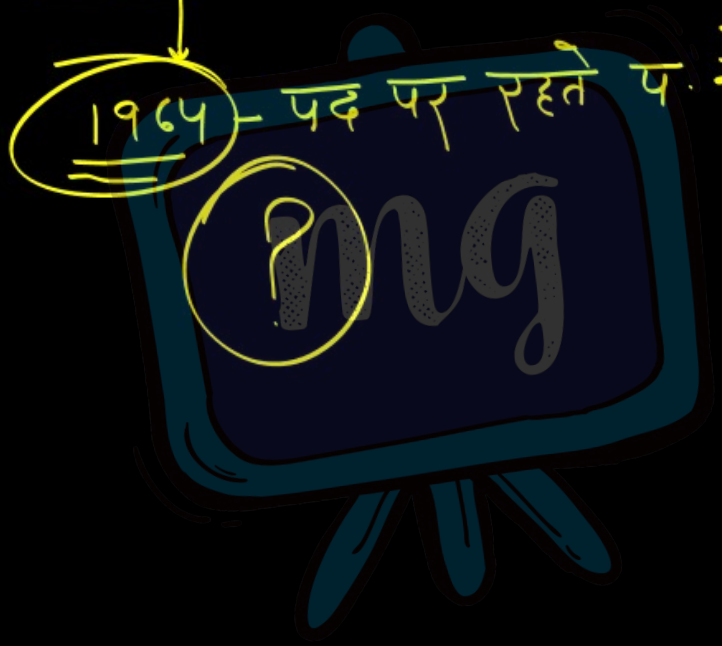
Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विदेश नीति

1964 – पद पर रहते प. नेहरू की मृत्यु



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- गहन हो चली राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में कांग्रेस को अपना प्रभुत्व बरकरार रखने में आ रही मुश्किलें।
- नेहरू के बाद राजनीति ने क्या करवट ली?
- विपक्ष की एकता और खुद के बिखराव ने कांग्रेस प्रभुत्व को कैसे दी चुनौती?
- इंदिरा गांधी के नेतृत्व में एक नयी कांग्रेस किस तरह इन चुनौतियों से उबरी?
- कैसे नयी नीतियों तथा विचारधाराओं ने कांग्रेस प्रणाली की पुर्नवापसी की?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्यवाहक PM
गुलजारीलाल नंदा।
(योजना आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष)

13 दिन

1964 नेहरू की मृत्यु

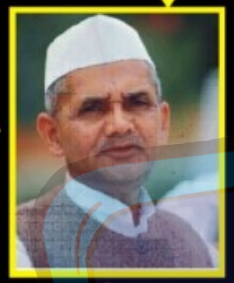
- 1960 का दशक 'खतरनाक दशक'
  - गरीबी, गैर–बराबरी, साम्प्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन के सवाल अनसुलझे
- देश के सामने अनेक चुनौतियां
  - नया नेतृत्व इनका समाधान करने में सक्षम होगा?
- बाकी बहुत से नव–स्वतंत्र देशों की तरह भारत भी राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल लोकतांत्रिक ढंग से हल नहीं कर पायेगा।
  - असफल
    - सेना राजनीतिक भूमिका में
- नेहरू के राजनीतिक उत्तराधिकार को लेकर बड़े अंदेशे।
  - लोकतंत्र कायम रह पायेगा नहीं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नेहरू के बाद शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री
1964-66
→ भारत का शांति जनक



- कांग्रेस पाटी के अध्यक्ष के. कामराज ने पार्टी के नेताओं से मशविरा किया
  - सभी लाल बहादुर शास्त्री के पक्ष में
    - शास्त्री कांग्रेस संसदीय दल के निर्विरोध नेता चुने गये।
      - भारत के प्रधानमंत्री बनें
- आलोचक ठगे से रह गये
- नेहरू के मंत्रिमंडल में कई वर्षों तक मंत्री
  - उनको लेकर कभी कोई विवाद नहीं
- अपनी सादगी और सिंद्धांत निष्ठा के लिए प्रसिद्ध

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शास्त्री जी का कार्यकाल (1964–1966)

देश के सामने बड़ी चुनौतियां

- मानसून की असफलता
  - खाद्यान्न का गंभीर संकट
- भारत–चीन युद्ध से उत्पन्न हुई कठिनाईयां
- 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध

ताशकंद समझौता

10 जनवरी 1966 को ताशकंद में अचानक देहांत

11 Jan. 1966

जय विज्ञान
जय अनुसंधान

शास्त्री जी का नारा

'जय जवान जय किसान'

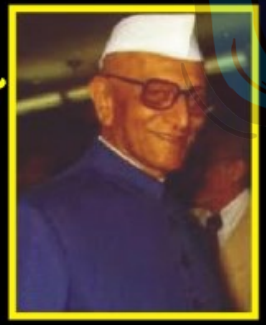
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दुबारा राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल

मोरारजी देसाई

- केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री पद पर भी रहें।
- बंबई प्रांत के मुख्यमंत्री पद पर रह चुके थे।



बड़े नेताओं ने इंदिरा गांधी को समर्थन देने का मन बनाया।

सर्वसहमति कायम ना हो सकी।

गुप्त मतदान

इंदिरा गांधी विजयी

इंदिरा गांधी

- जवाहरलाल नेहरू की बेटी
  - कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रह चुकी।
- शास्त्री के मंत्रिमंडल में सूचना मंत्रालय का प्रभाव



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इन्दिरा गाँधी

1966 - 77
1980 - 84

→ आयरन लेडी

"The years of Challange"



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अब आगे :-

- नए प्रधानमंत्री को जमने में लगा थोड़ा वक्त।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने संभवतः ये सोचकर इंदिरा गांधी का समर्थन किया कि प्रशासनिक और राजनीतिक मामलों में खास अनुभव न होने के कारण समर्थन और दिशा निर्देशन के लिए इंदिरा गांधी उन पर निर्भर रहेंगी।
- प्रधानमंत्री बनने के एक साल के अंदर इंदिरा गांधी को लोकसभा के चुनावों में पार्टी की अगुवाई करनी पड़ी।
- इस वक्त तक भारत की आर्थिक स्थिति और भी खराब हो चली।
- इन कठिनाइयों के बीच पार्टी पर अपना नियंत्रण बढ़ाने और नेतृत्व कौशल दिखाने की इंदिरा गांधी ने कोशिश की।